कुक्कुट आहार संयोजन में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम

पशु चिकित्सा एवं पशुविज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा नवयुवकों के रोजगार व जीविकोपार्जन हेतु पशुपालन की जानकारी देने हेतु एक माह का सर्टिफिकेट पाठयक्रम संचालित किया जा रहा है। इस सर्टिफिकेट पाठयक्रम की समाप्ति पर कुक्कुटपालक को आहार संयोजन पर ज्ञान प्राप्त करने के अवसर प्राप्त होंगे। पाठ्यक्रम को इस प्रकार बनाया गया है कि कुक्कुटपालक स्वयं अपना फार्म स्थापित कर अन्य कुक्कुटपालकों को जानकारी प्रदान कर सकता है। इस पाठ्यक्रम को करने हेतु न्यूनतम आठवीं कक्षा उतीर्ण होने की अनिवार्यता है।

1. **पाठ्यक्रम का नाम** – कुक्कुट आहार संयोजन में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम
2. **उ्देश्य** – पाठ्यक्रम का लक्ष्य उद्यमी कुशलता को विकसित करना है जिससे कि कुक्कुटपालक स्वयं का फार्म विकसित कर सके जिसका उद्देश्य है।
   अ. नवयुवक कुक्कुटपालकों की उद्यमी कुशलता को बढ़ाना।
   ब. कुक्कुट उत्पादन को आजीविका के स्त्रोत हेतु अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना।
   स. वैज्ञानिक आधार पर संतुलित कुक्कुट आहार प्रंबंधन हेतु कुक्कुटपालकों को प्रोत्साहित करना।
   द. सुविकसित फार्मों पर कुक्कुट आहार संयोजन पर प्रशिक्षण देना।
3. **प्रवेश योग्यता** – मान्यता प्राप्त बोर्ड द्वारा आठवीं कक्षा उतीर्ण अथवा समकक्ष
4. **समय अवधि** – एक माह
5. **न्यूनतम सीट** – 5 (आवश्यकतानुसार परिवर्तित किया जा सकता है)
6. **शुल्क राशि** – 1000/– रू.
7. **पाठयक्रम का माध्यम** – हिन्दी
8. **परीक्षा की विधि** – संबंधित केन्द्रों पर सामान्य परीक्षा लेकर प्रशिक्षणार्थी की योग्यता जांच की जायेगी, सफल प्रशिक्षणार्थी को पाठ्यक्रम समाप्ति पर प्रमाणपत्र प्रदान किये जायेगें।
9. **प्रवेश प्रक्रिया** – विश्वविद्यालय द्वारा समाचार पत्रों, विश्वविद्यालय के प्रकाशनों, धीणे री बात्यां रेडियो कार्यक्रम व विश्वविद्यालय वेबसाइट के माध्यम से इन पाठ्यक्रमों की सूचना दी जाएगी तथा प्रत्येक पाठ्यक्रम में न्यूनतम पाँच आवेदन प्राप्त होने पर उनका पाठ्यक्रम अनुदेशक से मूल्यांकन करवा कर पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया जायेगा।
10. **अनुशासन नियमावली** – विश्वविद्यालय के नियमानुसार।
11. **संपर्क सूत्र** – डॉ. दिनेश जैन, सहायक आचार्य, पशु पोषण विभाग, वेटरनरी कॉलेज, बीकानेर मो. 8003300472

12. पाठ्यक्रम – निम्नानुसार

सैद्धांतिक

1. राजस्थान राज्य में कुक्कुट उद्योग की स्थिति।
2. पोषक तत्व – प्रकृति एवं कार्य – कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, वसा, विटामिन, खनिज तत्व व जल।
3. कुक्कुट – आहार संघटक।
4. कुक्कुट का पाचन तंत्र – पाचन व उपापचय।
5. पोषक तत्वों की आवश्यक मात्रा को प्रभावित करने वाले कारक।
6. कुक्कुट आहार के सिद्धान्त।
7. ब्रॉयलर व लेयर मुर्गियों की अवधारणा।
8. ब्रॉयलर मुर्गियों में आवश्यक पोषक तत्व।
9. लेयर मुर्गियों में आवश्यक पोषक तत्व।
10. कुक्कुट में पोषण संबंधी कमियां।
11. कुक्कुट आहार में आहार पूरिपूरक तत्वों की भूमिका।
12. प्रीबायोटिक, प्रोबायोटिक, एंटीकॉक्सिडिअल व टॉक्सिन–बाइन्डर की महत्ता।
13. कुक्कुट आहार में विटामिन की आवश्यकता।
14. कुक्कुट आहार में खनिज लवणों की आवश्यकता।
15. आहार सूत्रीकरण।

<u>प्रायोगिक :</u>

1. सामान्यतया प्रयोग में आने वाले आहार संघटकों की पहचान – ऊर्जा स्त्रोत, प्रोटीन स्त्रोत, पादप व जंतु आहार संघटक।
2. आहार उत्पादन – ब्रॉयलर व लेयर मुर्गियों की विभिन्न अवस्थाओं हेतु आहार का निर्माण।
3. कुक्कुट फार्म भ्रमण।
4. कुक्कुट आहार संयंत्र भम्रण